केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

मुख्यालय, दिल्ली

प्रशासन शाखा द्वारा हिंदी गतिविधि का आयोजन - एक रिपोर्ट

राजभाषा हिंदी के प्रसार-प्रचार के तहत बोर्ड मुख्यालय की प्रशासन शाखा द्वारा 31 जुलाई, 2023 को हिन्दी साहित्यकार प्रेमचंद की जयंती दिवस पर निम्न अनुसार **हिंदी गतिविधि का आयोजन** किया गया:-

स्थान	: बोर्ड मुख्यालय, तृतीय तल, अपराहन 12 बजे
हिन्दी गतिविधि	: प्रेमचंद की रचनाओं की वर्तमान परिप्रेक्ष्य में महत्ता पर विचार प्रस्तुति

उपर्युक्त कार्यक्रम **श्री जयप्रकाश चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव (प्रशासन व विधि)** के निरीक्षण व मार्गदर्शन में आयोजित हुआ जिसमें श्रीमती सतपाल कौर, उप सचिव, श्रीमती बलबीर कौर, अवर सचिव (राजभाषा), श्री गुलाब सिंह, अवर सचिव (प्रशासन) ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज की। प्रशा-2 व 3, कार्मिक ए व बी, छात्रवृत्ति और हिंदी प्रकोष्ठ, ईचआरएमएस आदि शाखाओं के कुल मिलाकर लगभग 50 कार्मिक शामिल हुए। हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा प्रतिभागियों के समक्ष कार्यक्रम का प्रयोजन और रूपरेखा रखी गई। इसके बाद कार्यक्रम में निम्न अनुसार प्रस्तुतियां दी गई:-

हिंदी प्रकोष्ठ - श्री देवेंद्र, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने प्रेमचंद की रचनाओं की विषय-वस्तु, विशेषताओं और आज के समय में उनकी प्रासंगिकता पर विचार प्रस्तुत किए। साथ ही, "प्रेरणा" कहानी सुनाई गई। श्रीमती नेहा, कनिष्ठ हिंदी अधिकारी द्वारा इस अवसर पर **"दुनिया में यूं तो हर किसी का साथ-संग मिला, अफसोस सबके चहरे पे एक जर्द रंग मिला"** शीर्षक से एक कविता सुनाई गई।

प्रशासन 2 व 3 - शाखा से श्री सतीश साह, अनुभाग अधिकारी ने हिंदी साहित्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सोहनलाल द्विवेदी जी की एक कविता **"लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती कोशिश करने वालों की हार नहीं होती" का पाठ किया। श्री देवराज, अधीक्षक ने 'मैं शून्य हूँ' कविता सुनाई। कुछ अंश:**

मैं शून्य हूँ तू शून्य हैं .....
ये शून्य, तुम में समा है रहा
ये धरती भी तुझसे, ये आसमां भी तेरा
तू ही हैं रातें, सवेरा भी तेरा ..
ये पत्तों की डाली...
ये सूरज की किरणें
ये सरसो से पीले
ये पुष्प भी तुम्हारे
तू साथ है तो जहाँ ..... है ये मेरा!
मैं शून्य हूँ तू शून्य हैं .....

छात्रवृत्ति शाखा से श्री राघवेंद्र सिन्हा, अधीक्षक ने **"ख्वाहिशें"** कविता के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति दी।

कार्मिक ए व बी - श्रीमती शोभा कबड़वाल, अधीक्षक द्वारा **"जीवन का रहस्य"** कविता का पाठ किया गया वहीं श्रीमती बबीता, अधीक्षक द्वारा "हिन्दू और मुसलमान" नामक शीर्षक से एक कविता सुनाई गई।

श्रीमती सतपाल कौर, उप सचिव महोदया ने सभी प्रतिभागियों को हिंदी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियों से न केवल हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ेगी बल्कि कार्मिक जब प्रस्तुतियां देंगे तो उनकी स्वयं को अभिव्यक्त करने की क्षमता में भी निखार आएगा।

श्री जयप्रकाश चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव (प्रशासन और विधि) ने हिंदी गद्य साहित्य और इसमें मुंशी प्रेमचंद के योगदान के बारे में अपने विचारों से सभी प्रतिभागियों को लाभान्वित किया।

कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उत्साहपूर्ण भागीदारी दी। इस प्रकार यह हिंदी गतिविधि सम्पन्न हुई।

झलकियाँ

176495/2023/HINDI SECTION

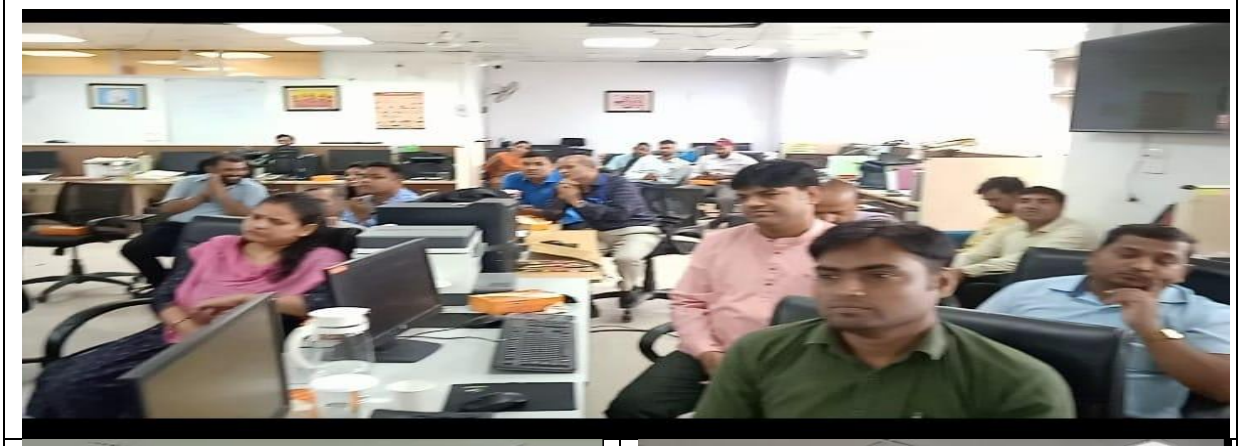

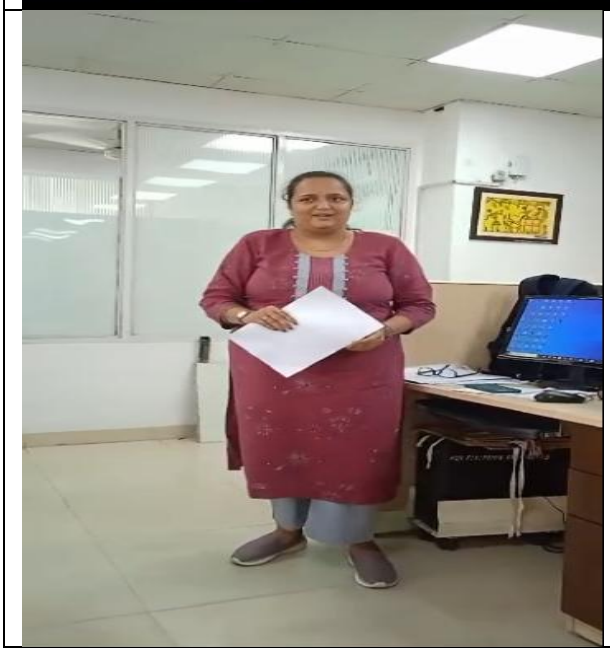

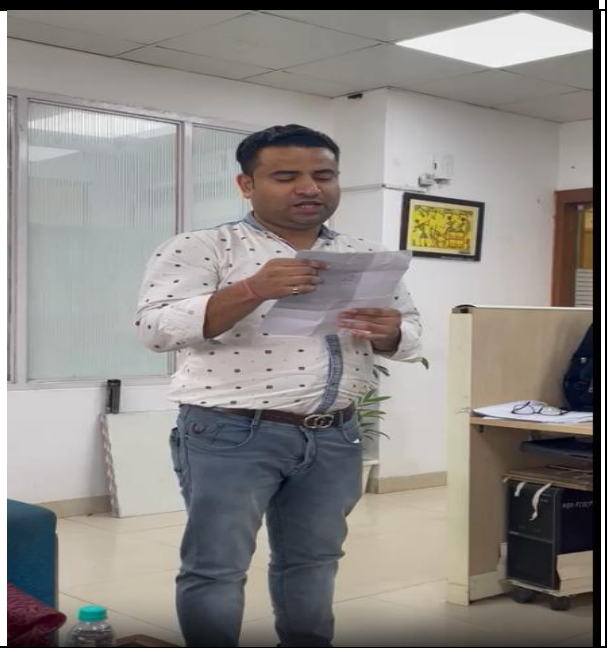

176495/2023/HINDI SECTION

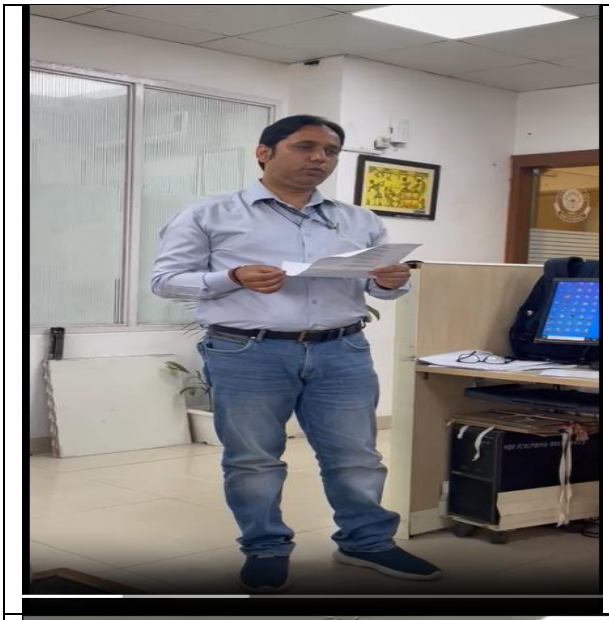

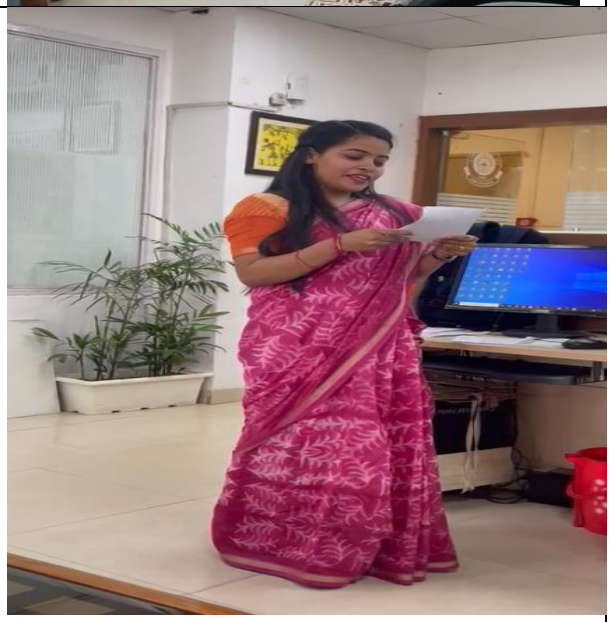

,,,,,